अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : अप्रैल–मई 2026

परीक्षा का नाम : विशारद प्रथम (प्रथम प्रश्नपत्र)

विषय : तबला / पखावज

दि. 19/04/2026 समय : 3 घंटे (सुबह 9 से 12) कुल अंक : 75

सूचना :
1) प्रथम प्रश्न अनिवार्य है ।
2) शेष प्रश्नों में से कोई चार प्रश्न हल करे ।
3) कुल पाँच प्रश्न हल करे ।
4) सभी प्रश्नों के अंक समान है ।

प्र.1) लिपीबध्द करे। (कोई तीन) (5x3=15)

अ) दस मात्रा ताल में टुकडे की ठाह और दुगून। (पलुस्कर ताललिपी में)

ब) पंधरह मात्रा ताल की दुगून आवर्तन में एक बार। (पलुस्कर ताललिपी में)

क) धमार ताल में स्तुती परन / गत परन।

ड) सोलह मात्रा ताल में फरमाइशी चक्रदार।

इ) पंधरह मात्रा ताल की कोई रचना चतस्त्र जाती में लिखकर उसे सिर्फ जाती बदलकर दस मात्रा ताल में लिपीबध्द करे। (पलुस्कर ताललिपी में)

प्र.2) सही पर्याय चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति करे। (05)

1) धाऽऽ धातीट तीट धातीटधा यह बोल पंक्ती --------- जाती में बजती है।
(चतस्त्र, मिश्र, तिस्त्र)

2) तबला / पखावज स्वतंत्रवादन के लिए हार्मोनियम / सारंगी पर जो स्वरसंगती बजायी जाती है, उसे --------- कहते है।
(धून, नगमा, आलाप)

3) ताल वाद्यों के अतिरिक्त --------- का संबंध कंठ एवं वाद्य संगीत में भी आता है।
(मोहरा, मुखडा, नौहक्का)

4) |गदि गन| यह विभाग --------- ताल में आता है।

(सूलताल, तेवरा, चौताल)

5) सोलह मात्रा ताल की तिगुन दो बार ------- मात्राओं में बजती है।

($5\frac{1}{3}$, $10\frac{2}{3}$, 8)

ब) सही जोडियाँ बनाए। **(05)**

'अ'	'ब'
1) ठेका	अ) आवर्तन
2) ताल	ब) विराम
3) कायदा	क) मध्यम
4) पेशकार	ड) दोहरा
5) षड्ज	इ) किस्म

क) सही / गलत लिखे। **(05)**

1) फरमाईशी चक्रदार कितने आवर्तन का होना चाहिए ऐसा कोई बंधन नहीं होता है।

2) ताल दिखाने के लिए बोलों की जरुरत नहीं होती है।

3) दो मात्रिक बोलोंमें त्रिमात्रिक बोल बजाना इस क्रिया को देढी लय कहते है।

4) मोहरे की रचना तिहाई सहित / रहित होती है।

5) काली 2 का मध्यम स्वर काली 5 होता है।

प्र.3) सोदाहरण परिभाषा लिखे। (कोई 3) **(5x3=15)**

1) आमद 2) गतपरन 3) मुखडा 4) मोहरा 5) चलन

प्र.4) संगीत में समान मात्राओंवाली विभिन्न तालों की क्या (3+12=15) उपयुक्तता है?
इसपर अपने विचार लिखे तथा निम्नलिखित तालों के साम्य भेद लिखे।
अ) दीपचंदी–झूमरा ब) रुपक–तेवरा क) अध्धा–पंजाबी

प्र.5) ताल और ठेके में अंतर बताकर सम, ताली, खाली, (5+10=15) विभाग की जानकारी लिखे।

प्र.6) भारतीय संगीत वाद्यों के वर्गीकरण का सिध्दांत (10+5=15) लिखकर उसमें से अवनध्द और घन वाद्यों का पारस्पारिक संबंध स्पष्ट करे।

प्र.7) लयकारी का आधार लय है उसे समझाइए तथा (3+12=15) किसी भी एक ताल की देढगुन, सवागुन, पौने दो गुन लयकारी लिखे।

Exam : Visharad Pratham (First Paper)

Subject : Tabala / Pakhavaj

Date : 19/04/2026 Timing : 9 am to 12 noon Total Marks - 75

Note : 1) First question is cmpulsory.
2) Solve any four questions from the remaining questions.
3) Solve total five questions.
4) All questions carries equal marks.

Q. 1) Write Notation of the following. (Any three) **(5x3=15)**

A) The Tah and dugun of the tukde in ten matra rhythm. (Paluskar tal system)

B) Dugun of fifteen matra tal one time in one cycle. (Paluskar tal system)

C) Stuti Paran / Gat Paran in Dhamar tal.

D) Farmaishi Chakradhar in Sixteen matra tal.

E) Write any composition of fifteen matra tal in Chatastra Jati and this composition only change the Jati and write in Ten matra tal. (Paluskar tal system)

Q.2) A) Choose the correct answer and fill in the blanks. **(05)**

1) Group of syllablesDhass Dhatit Tit Dhatitdha playing in ------------ Jati.
(Chatastra, Mishra, Tistra)

2) On the Harmonium or Sarangi playing the Harmony for Tabla / Pakhawaj solo is called ------------
(Dhun, Nagma, Alap)

3) Besides percussion instruments, the concept of -------- is also related to vocal and instrumental music.
(Mohara, Mukhada, Nauhakka)

4) |Gadi Gana| this division comes in -----------

(Sultal, Tevara, Chowtal)

5) Tigun of Sixteen matra tal playing twice in ----------- matra.

($5\frac{1}{3}$, $10\frac{2}{3}$, 8)

B) Match the pairs. **(05)**

A	B
1) Theka	a) Avartan
2) Tal	b) Viram
3) Kayda	c) Madhyam
4) Peshkar	d) Dohara
5) Shadja	e) Kisma

C) Write True or False. **(5)**

1) There is no fixed rule that a farmaishi chakradar should have a specific number of avartan (cycles)

2) Syllables are not necessary to demonstrate Tal.

3) It is called dedhi lay of playing three matra syllables in two matra syllables.

4) The Mohara is (a type of composition) is structured with or without Tihai.

5) Kali 5 is the madhyam vowel of Kali 2.

Q.3) Define with example. (Any Three) **(5x3=15)**

1) Amad 2) Gatparan 3) Mukhada 4) Mohara 5) Chalan

Q.4) **Write your thoughts on the suitability of different tals with the same matras in music and write the similarities and differences between following tals.** **(3+12=15)**

a) Deepchandi – Zoomra

b) Rupak – Tevara

c) Addha – Panjabi

Q.5) **Write information about the Sam, Tali, Khali, Division and explain the differences between Tal and Theka.** **(5+10=15)**

Q.6) **Write the theory of classification of Indian musical instruments and explain the interrelationship between percussion instruments and idiophone instruments.** **(10+5=15)**

Q.7) **Explain the lay is the basis of Laykari and write notation the Dedhgun, Sawagun, Paune dogun, Laykari of any one tal.** **(3+12=15)**